मंत्री-विधायकों की सभाओं में पायलट समर्थकों की नारेबाजी के बाद अब गहलोत खेमे के मंत्री हुए मुखर

कांग्रेस में बदलाव की खबरों के बीच राजस्थान में गहलोत-पायलट खेमा खुलकर आमने-सामने आया

- गोविंद मेघवाल बोले, गहलोत साहब नहीं होते तो हमारी हालत खराब हो जाती।
- परसादी ने कहा, कोई कुछ भी कहे, सरकार गहलोत की वजह से बची, वरना लोग हमें दो कौड़ी का बनाकर रख देते।

जयपुर, 14 सितम्बर (का.प्र.)। कांग्रेस में चल रही बदलाव की खबरों के बीच राजस्थान कांग्रेस में गुटबाजी चरम पर पहुंचती दिख रही है। मंत्री-विधायकों में इस बात की होड़ लगी है कि, किस तरह से अपने नेताओं को खुश किया जाए। पिछले एक सप्ताह से चल रही बयानबाजियों के बीच अब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत खेमे के नेताओं ने भी बयानबाजी शुरू कर दी है। एक दिन पहले जहां गहलोत के मंच से बाबूलाल नागर लोगों को धमका रहे थे, वहीं बुधवार को राज्य के आपदा राहत मंत्री गोविंद मेघवाल ने अशोक गहलोत को एक विचारधारा बताते हुए कहा कि, गहलोत साहब नहीं होते तो हमारी हालत खराब हो जाती। हम आज मंत्री नहीं बनते। यह सारी गहलोत की सूझबूझ है, जिसकी वजह से सरकार बची। इसी के साथ मेघवाल ने चांदना को भी मजबूत नेता बताया।

वहीं, स्वास्थ्य मंत्री परसादीलाल मीणा ने भी एक दिन पहले कहा था कि, विधायकों का विश्वास अशोक गहलोत में है। कोई कुछ भी कहे, लेकिन सरकार गहलोत की वजह से बची है, वरना लोग हमें दो कौड़ी का बनाकर रख देते।

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में जनसुनवाई के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए गोविंद मेघवाल ने कहा कि, गहलोत पूरे राजस्थान में एकता कायम कर रहे हैं। अशोक गहलोत अपने आप में एक विचारधारा हैं। गहलोत ने कोरोना में शानदार मैनेजमेंट किया। आज गहलोत के राज में जनता के कल्याण की एक से एक योजनाएं चल रही हैं। हम ऐसे नेता के नेतृत्व में आगे चलेंगे। इससे आगे मेघवाल ने कहा कि, गहलोत महात्मा गांधी, ज्योतिबा फुले और अंबेडकर जैसे महापुरुषों को फॉलो करते हैं। हमारे नेता अशोक गहलोत जैसी योजनाएं देश के किसी राज्य में नहीं मिलेंगी। गहलोत एडवांस में सुविधाएं देते हैं। महात्मा फुले की तरह गहलोत शिक्षा पर जोर दे रहे हैं। अंग्रेजी स्कूल खोले हैं, ताकि गरीब का बच्चा भी अच्छी शिक्षा ले सके।

सचिन पायलट पर मंत्री अशोक चांदना का सीधा हमला और पुष्कर के जूता फेंक कांड पर मेघवाल ने कहा, अशोक चांदना एक प्रखर और मजबूत नेता हैं। पुष्कर में जो घटना हुई है, उस पर अशोक चांदना खुद सब बात कह चुके हैं। जिनके राज में 76 गुर्जर मरे, उन नेताओं को तो वहां मालाएं पहनाकर स्वागत हो रहा था। जिनके परिवार के लोग आंदोलन में जेल गए उन पर जूते फेंके गए। अब फैसला जनता को करना है।

मेघवाल ने आगे कहा, डेमोक्रेसी में अपनी बात कहने का सबको अधिकार है। अगर बुलाया है तो बात सुननी चाहिए। चांदना अपनी बात कहने में सक्षम हैं। उन्होंने जो बातें कहीं हैं, उसमें सब साफ हो गया है। छोटे मोटे झगड़े हर पार्टी में होते हैं।

दूदू में मुख्यमंत्री की सभा में, गहलोत और राजीव गांधी के अलावा तीसरा नारा लगाने पर पुलिस से उठवाने की धमकी देने वाले मुख्यमंत्री के सलाहकार निर्दलीय विधायक बाबूलाल नागर को लेकर मेघवाल ने कहा कि, नागर ने किस संदर्भ में बात कही है, उस पर जाना जरूरी है। बाबूलाल नागर जनाधार वाले और मजबूत नेता हैं। नागर कांग्रेस की नीति पर चलने वाले नेता हैं। नागर ने हमारी सरकार बचाई है।

उल्लेखनीय है कि पिछले कई दिनों से गहलोत और पायलट खेमों में जारी खींचतान के बीच अब बयानबाजी का दौर तेज हो गया है। मंत्रियों की सभाओं में सचिन पायलट के समर्थन में नारेबाजी के बाद अब गहलोत खेमे के मंत्री-विधायक भी खुलकर सामने आने लगे हैं।

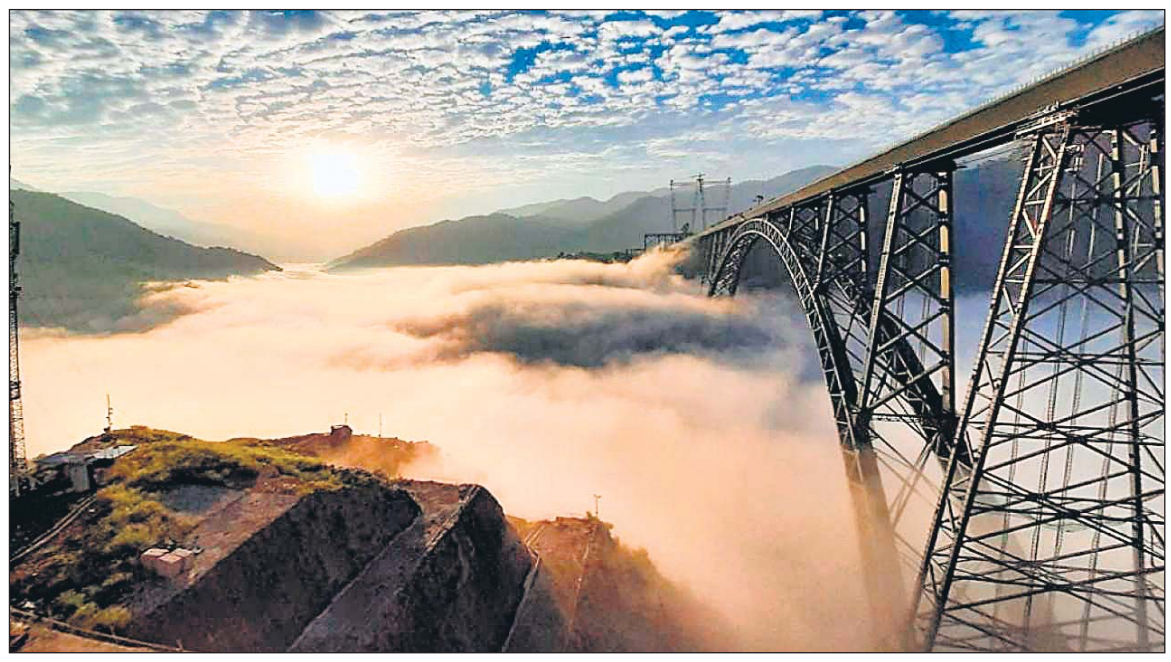

भारतीय रेलवे ने बादलों से घिरे चिनाब ब्रिज की मनमोहक तस्वीरें जारी की हैं। विश्व का यह सबसे ऊंचा पुल भारत का सबसे ऊंचा आर्च ब्रिज है और पेरिस के आइफल टावर से भी 35 मीटर ऊंचा है। ऊधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना के तरह चिनाब नदी के ऊपर बनाया गया यह पुल किसी अजूबे से कम नहीं है। भारतीय रेलवे ने ट्विटर पर इसकी चार तस्वीरें शेयर की हैं। यह पुल 1315 मीटर लम्बा तथा चिनाब नदी के तल से 359 मीटर ऊंचा है। दुनिया के इस सबसे ऊंचे रेल्वे पुल पर मेहराब का काम अप्रैल 2021 में ही पूरा हो गया था। मेहराब का कुल वजन 10619 मीट्रिक टन है और उसके हिस्सों को केबल क्रेन द्वारा लगाया गया है। यह काम भारतीय रेलवे द्वारा पहली बार किया गया है। इस खूबसूरत पुल के निर्माण पर 27, 945 करोड़ रू. की लागत आई है और इस साल दिसम्बर से इस पर यातायात शुरू होने की संभावना है।

'राहुल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राजस्थान के मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ना नहीं चाहते हैं।

पर सूत्रों का कहना है कि इन प्रयासों का सकारात्मक नतीजा नहीं मिला है क्योंकि राहुल अपने फैसले पर अड़े हुए हैं।

पुष्कर में मंत्री चांदना पर चप्पल-जूते फेंकने वालों पर कार्रवाई

पुलिस ने 6 जनों को नामजद किया, परन्तु पुलिस पूरी जानकारी नहीं दे रही है

पुष्कर, 14 सितम्बर (निसं)। कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला के अस्थि विसर्जन कार्यक्रम में मंच पर अतिथियों से बदतमीजी व जूते चप्पल फेंकने के मामले में पुष्कर पुलिस ने स्वयं प्रसंज्ञान लेकर छह लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया है।

उत्पात मचाने, झंडे दिखाने, बोतल फेंकने व मंच पर चप्पल फेंकने को लेकर मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी गोपाल गुर्जर, गिरधारी गुर्जर, सांवर लाल गुर्जर, विक्की गुर्जर व जगमाल गुर्जर के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। थाने के ए.एस.आई. श्रवण कुमार पूरे मामले की जांच करेंगे। इन आरोपियों में से तीन पुष्कर के हैं। एक आरोपी बस्सी जयपुर एवं एक आरोपी डुमड़ा मंगलियावास अजमेर निवासी है। कहा जा रहा है कि, आरोपी बनाए जा सकते हैं। पुलिस अब इन आरोपियों की तेजी से तलाश कर रही है।

चप्पल-जूता मामले की वजह से पूरे राजस्थान की सियासत में भूचाल आया हुआ है, जिसमें गहलोत सरकार के खेल मंत्री अशोक चांदना ने, कथित रूप से सचिन पायलट पर इशारों-इशारों में ट्विटर पर यह तक कह दिया कि "मुझ पर जूता फेंककर सचिन पायलट मुख्यमंत्री बनते हैं तो जल्दी ही बन जाएंगे।"

मैं मेरी पर आ गया तो दोनों में से कोई एक रहेगा। इस मामले में पुलिस भी फूंक फूंक कर कदम रख रही है। पुष्कर थाना अधिकारी रवीश कुमार से अन्य जानकारी मांगी गई तो उन्होंने बताया की जिला पुलिस अधीक्षक ही बतायेंगे। लेकिन पुलिस अधीक्षक मोबाइल पर कोई जवाब नही दे रहे है और ना ही कोई बातचीत कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला के अस्थि विसर्जन कार्यक्रम में कुछ युवकों ने मंत्री अशोक चांदना और मुख्यमंत्री के पुत्र वैभव गहलोत के खिलाफ नारेबाजी की थी। पुलिस इस मामले को लेकर एक्शन में है।

अब किरोड़ी सिंह बैंसला के पुत्र विजय बैंसला ने खुलकर सचिन पायलट को निशाने पर ले लिया है

विजय बैंसला बोले, समाज सचिन पायलट के पीछे ही क्यों जाए, इंद्राज गुर्जर भी हैं और गजराज खटाना समेत कई नेता हैं

- "समाज व्यक्ति विशेष के पीछे दौड़ता है तब समाज हार जाता है।"
- उन्होंने यह भी कहा कि, मैं भाजपा का सदस्य हूँ, टिकट मिला तो भाजपा से विधानसभा चुनाव लड़ूंगा।

जयपुर, 14 सितम्बर (का.प्र.)। राजस्थान में सचिन पायलट को मुख्यमंत्री नहीं बनाए जाने को लेकर गुर्जर समाज की नाराजगी स्पष्ट रूप से कई बार सामने आई है और पिछले कुछ दिनों से तो सचिन पायलट समर्थक, विधायक व कार्यकर्ता राजस्थान के मंत्री-विधायकों के कार्यक्रमों में उनके नाम के नारे लगा रहे हैं, जो इस नाराजगी को प्रकट कर रहा है। इसी नाराजगी का सामना 2 दिन पहले पुष्कर में स्व. कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला के अस्थि विसर्जन कार्यक्रम के दौरान राजस्थान के मंत्री शकुंतला रावत और अशोक चांदना को करना पड़ा था, लेकिन अब कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला के पुत्र विजय बैंसला ने खुलकर सचिन पायलट को निशाने पर ले लिया है। वहीं उन्होंने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि वे भाजपा के सदस्य हैं और टिकट मिला दो विधानसभा का चुनाव भाजपा से लड़ेंगे।

विजय बैंसला ने अप्रत्यक्ष रूप से सचिन पायलट को निशाने पर लेते हुए कहा कि पिछले चुनाव में भाजपा से समाज के 13 नेता नहीं जीते, वो क्यों हारे, यह भी समाज को समझना होगा। बैंसला ने कहा कि जब समाज व्यक्ति विशेष के पीछे दौड़ता है तब समाज हार जाता है, लेकिन जब समाज, समाज के साथ ही खड़ा रहता है तब वहां जीतता है। बैंसला ने कहा कि जब समाज व्यक्ति विशेष की विचारधारा के पीछे खड़ा रहेगा तो समाज को ही नुकसान होगा।

सोमवार को पुष्कर में कर्नल बैंसला के अस्थि कलश विसर्जन कार्यक्रम में भाजपा और कांग्रेस के साथ ही कई बड़े राजनेताओं का जमावड़ा दिखा। इसके बाद कयास इसी बात के लगाए जा रहे थे कि आने वाले विधानसभा चुनाव से पहले यह एम.बी.सी. समाज का शक्ति-प्रदर्शन है और अब कर्नल बैंसला के पुत्र विजय बैंसला ने भी अप्रत्यक्ष रूप से इसे स्वीकार कर लिया है। विजय कहते हैं कि इस कार्यक्रम में जुटे हजारों समाज बंधुओं की यह ताकत है और यही पॉलिटिक्स में एमबीसी समाज की ताल ठोक कर एंट्री भी है।

विजय बैंसला ने कहा कि वे भाजपा के मेंबर हैं और यदि अगले चुनाव में भाजपा उन्हें टिकट देती है तो वह जरूर चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि 40 सीटें एमबीसी बाहुल्य क्षेत्रों में आती है उनमें से कहीं पर भी यदि टिकट मिलता है तो वे चुनाव लड़ेंगे।

हालांकि, वह यह भी कहते हैं कि उनके लिए पहले समाज है और उसके बाद राजनीतिक दल।

उन्होंने यह भी कहा कि समाज सचिन पायलट के पीछे ही क्यों जाए, इंद्राज गुर्जर भी हैं और गजराज खटाना समेत कई नेता हैं। कहने का तात्पर्य है कि समाज, समाज से जुड़े और मजबूत बने।

इतना ही नहीं विजय बैंसला ने यह भी कहा कि एक बार सचिन पायलट के लिए छोड़ दिया, लेकिन हमेशा नहीं छोड़ा जाता।

बैंसला ने दावा भी किया कि उन्हें पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा से आसींद विधानसभा का टिकट दिया जा रहा था, लेकिन उन्होंने उस समय चुनाव लड़ने से मना कर दिया

भाजपा के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भाजपा कार्यकर्ताओं यह दायित्व सौंपा गया है तथा उन्हें ऐसे आदेश प्रदान किये गये हैं कि वे एस.सी. बहुत तथा आरक्षित सीटों के अन्तर्गत आने वाले मतदान केन्द्रों पर पार्टी की मौजूदगी एंव उसके समर्थन का यथासम्भव बढ़ायेंगे। भाजपा एस.सी. मोर्चो के कार्यकर्ताओं को भी यह जिम्मेदारी दी गई है कि वे एस.सी. युवाओं को लक्ष्य बनाते हुये गहन सम्पर्क अभियान चलायेंगे। पार्टी ने पूरे देश में 7500 एस.सी. युवा छात्रावास चिन्हित किये हैं तथा पार्टी की योजना है कि वहाँ इस समुदाय के उपक्षित महापुरूषों पर डिबेट शुरू की जायेंगी।

"पंचतीर्थ" डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर से जुड़े स्थानों के पुनर्विकास की मोदी सरकार की योजनाओं को जोर देते हुये उनके समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा। भाजपा सरकार ने दिल्ली के प्रमुख स्थान पर डॉ. अम्बेडकर फाउन्डेशन सेन्टर भी बनाया है।

पांच महीने की भारत जोड़ो यात्रा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निर्भर करता है कि राहुल गांधी इस यात्रा के बाद, यानी पाँच महीने के बाद क्या करते हैं। राजनीति 365 दिन की तथा 24 घंटे की सतत गतिविधि बन चुकी है। इस यात्रा का लाभकारी असर यात्रा के पूरा होने के केवल दो तीन महीने बाद तक ही रहेगा। इसके बाद फॉलो-अप की जरूरत हैं।

दत्ता ने कहा कि छवि गढ़ने का काम कोई भी कर सकता है, और राहुल गांधी भी इसे गढ़ सकते हैं। लेकिन समस्या यह है कि इसके लिये बहुत सारा पैसा, बहुत सारा प्रयास तथा पूरी तरह से निरन्तरता आवश्यक है। जहाँ तक कोशिश का सम्बन्ध है, वे आसानी से कर सकते हैं तथा जहाँ तक पैसे एवं निरन्तरता की बात है, वे बहुत ज्यादा सुपरिचित नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अब तक जो कुछ किया है, उसकी ठीक विरोधाभासी स्थिति यह है कि भाजपा झूठे बयान देती है, लेकिन वह वाट्सऐप, ट्विटर तथा हर सम्भव मंच पर उस गलत बयानी पर जमी रहती है। यही स्थिति "आप" की है। ये दोनों ही दल बहुत ज्यादा विशाल धनराशि खर्च करते हैं, मीडिया को देते हैं, एंकरों को देते हैं, मीडिया मालिकों को देते हैं, जिससे कि उनके सन्देश हर हर जगह पहुँचते रहें।

कांग्रेस भी ऐसा कर सकती है। लेकिन लोग यह नहीं जानते कि क्या कांग्रेस के पास उस किस्म का पैसा है तथा क्या वह उस पैसे को इन चीजों पर खर्च करना चाहती है। इसके अलावा, दूसरी चीज है-निरन्तरता। इससे पहले भी, कई बार राहुल गांधी ने बहुत सी समझदारी की बातें कही हैं। लेकिन अगर आप सामने तथा समाचारों में रोजाना नहीं बने रहते, तो वे समझदारी की बातें कारगर नहीं रहतीं। लेकिन एक बात तो तय है कि यह यात्रा राहुल गांधी के पक्ष में इतना तो जरूर करेगी कि कांग्रेस के अन्दर, उभयपक्षीय लोगों में तथा उन लोगों में, जो यह मानते हैं कि राहुल कुछ नहीं करते या मेहनत करने की उनकी क्षमता पर सन्देह करते हैं।

गांगुली और ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बल्कि प्रशासन की वजह से।" जस्टिस चंद्रचूड़ के नेतृत्व वाली इस दो सदस्यीय बैंच में उनके साथ जस्टिस हिमा कोहली थी। उन्होंन बी.सी.सी.आई. के संविधान में संशोधन को अनुमति दे दी कि बी.सी.सी.आई. के पदाधिकारों और संबंधित राज्य इकाई के पदाधिकारियों को लगातार दो कार्यकाल की अनुमति दे दी गई है।

'रिज़र्ववेशन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विल्सन ने कहा कि यदि 15(6) का क्रियान्वयन हो जाता है तो समानता का कोई अर्थ नहीं रह जाएगा। अनुच्छेद 46 की बात करते हुए, जो कि कमजोर तबके के लिए है, उन्होंने कहा कि जाति और सामाजिक पिछड़ेपन का उल्लेख नहीं किया गया है। अनुच्छेद 46 के अन्तर्गत आरक्षण कोई गरीबी उन्मूलन योजना नहीं है।

विवाहित पुत्रियां भी अनुकंपा नौकरी की हकदार

राजस्थान हाई कोर्ट की वृहद् पीठ ने इस संबंध में आदेश जारी किए

- लेकिन यह आदेश उन्हीं पर लागू होता है जिनके आवेदन सरकार के पास या कोर्ट में लंबित हों और जो सभी पात्रताएं पूरी करती हों।

जोधपुर, 14 सितम्बर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट की वृहद पीठ ने आश्रित विवाहित पुत्रियों को भी अनुकंपा नियुक्ति पाने का हकदार माना है। लेकिन यह आदेश सिर्फ उन्हीं पर लागू होगा जिनके आवेदन सरकार या कोर्ट के पास लंबित चल रहे हैं और विवाहित पुत्रियां अन्य सभी पात्रताएं पूरी कर रही हों।

राजस्थान हाईकोर्ट के समक्ष यह विधिक प्रश्न उठाया गया था कि मृत सरकारी कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति देने के नियम 1996 के तहत आश्रितों में सिर्फ अविवाहित, विधवा व दत्तक पुत्री को ही शामिल किया गया है, किन्तु विवाहित पुत्री को इस दायरे में शामिल नहीं किया गया था। ऐसे में विवाहित पुत्री अनुकंपा नौकरी से वंचित रहती आई है। यह मामला पूर्व में खंडपीठ के समक्ष पेश हुआ, लेकिन खंडपीठ ने इस मामले को राज्य का नीतिगत निर्णय मानते हुए इसमें हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। इस बीच राज्य सरकार ने अक्टूबर 2021 में नियमों में संशोधन कर दिया और विवाहित पुत्री को आश्रित की श्रेणी में शामिल कर लिया।

ऐसे में हाईकोर्ट में इस मामले की सुनवाई के लिए न्यायाधीश संदीप मेहता, न्यायाधीश विजय विश्नोई व न्यायाधीश अरुण भंसाली की वृहद पीठ का गठन किया गया।

इस पीठ को यह तय करना था कि इस नियम में संशोधन से पहले विवाहित पुत्री को अनुकंपा नियुक्ति से वंचित रखना क्या भेदभाव पूर्ण व संविधान के अनुच्छेद 14 व 16 का उल्लंघन था। वृहद पीठ ने मामले की सुनवाई करने के बाद कहा कि विवाहित पुत्री को अनुकंपा नियुक्ति से वंचित करने वाला वर्ष 1996 का नियम भेदभाव पूर्ण था। यह संविधान के अनुच्छेद 14 व 16 का उल्लंघन है। ऐसे में अविववाहित शब्द को हटाते हुए कहा कि वर्ष 1996 के नियम 5 में अविवाहित पुत्र, दत्तक अविवाहित पुत्री शब्द को पुत्री, दत्तक पुत्री पढ़ा जाए। साथ ही विवाहित पुत्री को अनुकंपा नियुक्ति से इनकार करने वाले निर्णयों को पीठ ने खारिज कर दिया। अपने फैसले में वृहद पीठ ने कहा कि अविवाहित शब्द हटाने से यह ऐसे किसी मामले को प्रभावित नहीं करेगा जिसमें अनुकंपा नियुक्ति पहले से दी जा चुकी है।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908